भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3380

दिनांक 12 मार्च, 2026 को उत्तरार्थ

.....

बिहार में सिंचाई और बाढ़ प्रबंधन परियोजनाएं

3380. श्री राजेश रंजनः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) और त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी) के अंतर्गत बिहार में अनुमोदित वृहद और मध्यम सिंचाई और बाढ़ प्रबंधन परियोजनाओं का जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) इन परियोजनाओं के लिए मूल समय-सीमा, वर्तमान स्थिति और सृजित सिंचाई क्षमता क्या है और विलंबित परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान इन परियोजनाओं के लिए संस्वीकृत, जारी और व्यय की गई निधियों का परियोजना-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) राज्य में बार-बार आने वाली बाढ़ और सूखे की स्थिति को देखते हुए सिंचाई परियोजनाओं में हो रही देरी को दूर करने तथा समय पर पूरा करने को सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा अपनाए गए निगरानी और समीक्षा तंत्र का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) बिहार में लंबित सिंचाई और बाढ़ प्रबंधन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने और जलवायु-अनुकूल सिंचाई अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) से (ग): वर्ष 2016-17 के दौरान 88 परियोजनाओं में कमान क्षेत्र विकास सहित निनान्बे (99) चल रहीं बृहद/मध्यम सिंचाई परियोजनाओं की पहचान की गई और उन्हें प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के अंतर्गत शामिल किया गया। इनमें से बिहार की दो परियोजनाएं अर्थात् रोहतास और कैमूर जिले को लाभ पहुंचाने वाली दुर्गावती परियोजना और पटना, अरवल और जहानाबाद जिले को लाभ पहुंचाने वाली पुनपुन बैराज परियोजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-कमान क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन (पीएमकेएसवाई-सीएडी और डब्ल्यूएम) के अंतर्गत दुर्गावती परियोजना में कमान क्षेत्र विकास सहित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (पीएमकेएसवाई-एआईबीपी) के अंतर्गत शामिल किया गया।

इसके अलावा, वर्ष 2021-26 की अवधि के लिए पीएमकेएसवाई के कार्यान्वयन की मंजूरी के उपरांत पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के तहत वित्तपोषण के लिए उन्नीस (19) बृहद और मध्यम सिंचाई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इनमें से दो परियोजनाएं, अर्थात् कोसी-मेची अंतरराज्यीय लिंक, जो अररिया, पूर्णिया, किशनगंज और कटिहार जिले को लाभान्वित करती हैं और नॉर्थ कोयल परियोजना, बिहार के औरंगाबाद, गया, पलामू और गढ़वा जिले को लाभान्वित करती हैं।

परियोजना-वार विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(घ) और (ङ): इन परियोजनाओं में विलंब को रोकने और समय पर इनका पूरा होना सुनिश्चित करने के लिए, मंत्रालय और राज्य सरकार परियोजनाओं की वास्तविक और वित्तीय प्रगति की निगरानी हेतु परियोजना-वार आवधिक समीक्षा बैठकें करते हैं। परियोजनाओं से संबंधित मुद्दों और बाधाओं को परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) पोर्टल पर उठाया जाता है और पीएमजी समीक्षा बैठकों में उनका समाधान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, सरकार, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग द्वारा संचालित प्रबंधन सूचना प्रणाली द्वारा समर्थित एक समर्पित डैशबोर्ड के माध्यम से इन परियोजनाओं की निगरानी करती है। परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के अंतर्गत केंद्रीय जल आयोग और इस मंत्रालय के अंतर्गत एक समर्पित परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) द्वारा नियमित रूप से इन परियोजनाओं का दौरा और निगरानी की जाती है।

*****

अनुलग्नक-I

'बिहार में सिंचाई और बाढ़ प्रबंधन परियोजनाएं' के संबंध में दिनांक 12.03.2026 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय अतारांकित प्रश्न सं.3380 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

पीएमकेएसवाई-एआईबीपी और पीएमकेएसवाई-सीएडीडब्ल्यूएम योजनाओं के अंतर्गत परियोजनाओं का विवरण

(रुपए करोड़ में और सिंचाई क्षमता एवं कमान क्षेत्र हजार हेक्टेयर में)

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लाभान्वित जिले	अनुमानित लागत	व्यय	पीएमकेएसवाई के तहत उपयुक्त केंद्रीय सहायता	वर्ष 2020-25 के दौरान जारी केंद्रीय सहायता	अधिकतम सिंचाई क्षमता	सृजित सिंचाई क्षमता	पीएमकेएसवाई के तहत पूरा होने की समय-सीमा	वर्तमान स्थिति
पीएमकेएसवाई-एआईबीपी										
1	दुर्गावती परियोजना	रोहतास, कैमूर	1207.39	1183.46	90.07	14.12	39.61	35.50	दिसंबर, 2019	पूर्ण
2	पुनपुन बैराज परियोजना	पटना, अरवल, जहानाबाद	685.28	409.17	106.02	0	13.68	3.68	दिसंबर, 2019	मुख्य कार्य पूर्ण हुआ।
3	कोसी-मेची अंतरराज्यीय लिंक परियोजना	अररिया, पूर्णिया, किशनगंज और कटिहार	6282.32	132.00	3652.56	0	210.516	0	मार्च, 2029	वास्तविक प्रगति - 4%
4	नोर्थ कोयल परियोजना	औरंगाबाद, गया, पलामू और गढ़वा	2431.00	946.39	1836.41	49.82	95.521	0	जून, 2026	वास्तविक प्रगति - 38%
	कुल:		**10605.99**	**2671.02**	**5685.06**	**63.94**	**359.327**	**39.18**		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लाभान्वित जिले	अनुमानित लागत	व्यय	पीएमकेएसवाई के तहत उपयुक्त केंद्रीय सहायता	वर्ष 2020-25 के दौरान जारी केंद्रीय सहायता	अधिकतम सिंचाई क्षमता	सृजित सिंचाई क्षमता	पीएमकेएसवाई के तहत पूरा होने की समय-सीमा	वर्तमान स्थिति
पीएमकेएसवाई-सीएडी एण्ड डब्ल्यूएम										
1.	दुर्गावती सीएडीडब्ल्यूएम परियोजना	रोहतास, कैमूर	142.20	75.64	50.66	0	30.51	19.13	दिसंबर, 2019	वास्तविक प्रगति - 63%

*****